

Smt. S. Narasamma, I.R.S.,
Asst. Commissioner of Incometax,
Circle-1(2), Hyderabad.

16/02/93
1289
अ.क.सू.सी-65
I. T. N. S.-65

आयकर विभाग

INCOME-TAX DEPARTMENT

जिला/District

Dt/22-01-93.

M-616/AG.1(2)/90-91.

1. कर निर्धारण वर्ष
Year of Assessment 1990-91.
2. निर्धारित का नाम (पूरा पता सहित)
Name of Assessee (with complete address) M/s M & M Associates, 1-10-72/2/3,
Begumpet, Secunderabad.
3. हैसियत*
Status* Trust.
4. क्या—निवासी परन्तु साधारणतः निवासी नहीं
अनिवासी
Resident
Whether—Resident but not ordinarily resident R & O.R.
Non-resident:
5. लेखा-विधि
Method of accounting 880,81,8
6. लेखा अवधि (आय स्रोत के लिए इसे अलग दिखाने के लिए)
Accounting period (to be shown separately for source of income) 31-3-1990
7. किस धारा और उप-धारा के अधीन कर निर्धारण किया गया
Section and Sub-section under which the assesment is made. 143(3).

कर निर्धारण आदेश
ASSESSMENT ORDER

The assessee is a determined family trust with eleven beneficiaries and is a real estate developer. For the asst. year 1990-91 the assessee filed a Return of Income on 31-8-1990 disclosing loss of Rs. 8,42,485. Subsequently, the the assessee filed a revised Return of Income on 6-8-92 disclosing loss of Rs. 5,49,100. In response to the notice U/s. 143(2) the assessee's AR Shri Ajay Mehta Appeared and filed

.. 2 ..

*क्या व्यक्ति, अविभक्त हिन्दू परिवार, कम्पनी, स्थानीय प्राधिकार, रजिस्ट्रीकृत या अरजिस्ट्रीकृत फर्म, व्यक्तियों की संख्या व्यक्तियों का निकाय।

*Whether individual Hindu undivided family, company, local authority, registered or unregistered firm, association of persons body of individuals.

necessary details. After examination of books of a/cs and discussion the assessment is completed accepting the loss returned.

Loss returned .. 5,49,100
accepted

*Tax nil - TDS Rs 11822/-
Ref already adjusted against 89-90 return*
The assessee also claimed b/f loss of earlier years as under:-

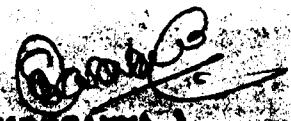
1984-85	..	7,71,889	
1985-86	..	7,25,773	
1986-87	..	6,31,575	21,29,137
			<hr/>
Less: Income of 88-89 A.Y.		35,163	
Less: Income of 89-90 A.Y.		7,82,897	
			<hr/>
			8,18,060
			<hr/>
			13,11,077
			<hr/>

The b/f unabsorbed losses of Rs. 21,29,137 claimed by the assessee this year rejected for the reasons mentioned in the assessment order of 1987-88. The assessee not entitled to carry forward its losses of earlier years since the Returns of these years were filed after the expiry of the due date for filing them. Hence, the assessee's claim for the carry forward of losses of earlier years is rejected. The assessee is entitled for the carry forward loss of Rs. 5,49,100 which is the amount of loss returned for this asst. year i.e, 90-91.

ALLOCATION AMONG BENEFICIARIES:

S/Shri.

1. Soham S.Modi	25%	137275
2. Sourabh S.Modi	25%	137275
3. Roopesh	6%	32946
4. Devanshi	6%	32946
5. Arnav	6%	32946
6. Priti	6%	21964
7. Riken	6%	32946
8. Nirmitha	6%	21964
9. Sanket	6%	32946
10. Hilal	6%	32946
11. Amit	6%	32946
	<hr/> 100% <hr/>	<hr/> 542100 <hr/>



(S.NARASANNA)
Asst. Commissioner of Incometax,
Circle-1(2), Hyder abad.

Copy to the assessee.

(नियम 15 देखिए)
(See Rule 15)

आई. टी. ए. ७-७
I.T.S.-7

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 156 के अधीन मांग की सूचना
Notice of Demand under Section 156 of the Income-Tax Act, 1961

सेवा में
To M/s. M&M Associates
1-10-72/2/3
Begumpet Secunderabad

प्रतिष्ठिति
Status AOP
जी. पी. आर. नं.
G.I.R. No. 1-616/AE1(2)

आपको सूचित किया जाता है कि निर्धारण वर्ष १०-७१ के लिए आपके द्वारा संवत् १९७१ के लिए
राशि, जिसे व्योरे पीछे दिए गए हैं, संचायित की गई है।

This is to give you notice that for the assessment year १०-७१ a sum of Rs. NIL details
of which are given on the reverse has been determined to be payable by you.

2. इस रकम की संवत् इस सूचना की तारीख से 35 दिनों के अन्दर स्थित
समान अधिकारी/उप-समान अधिकारी/अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक को दिया जाना चाहिए। उपरोक्त राशि के संवत् के लिए
35 दिनों के अन्दर की संचयि अनुज्ञात करने के लिए मन्त्रालय आय-कर प्रावधान (निरीक्षण) का पूर्वानुमोदन प्राप्त कर लिया गया है। संवत् के प्रयोजन
के लिए एक वास्तव संलग्न है।

The amount should be paid to the Treasury Officer/Sub-Treasury Officer/Agent, State Bank of India/Reserve Bank of
India at within 35/..... days of the
service of this notice. The previous approval of the Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax has been obtained for allowing
a period of less than 35 days for the payment of the above sum. A challan is enclosed for the purpose of payment.

3. यदि आप ऊपर विनिर्दिष्ट संचयि के अन्दर रकम का संवत् नहीं करते तो आप उक्त संचयि की समाप्ति के पश्चात् प्रारम्भ होने वाली
तारीख से वार्षिक प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से साधारण व्याज का संवत् धारा 220(2) के अनुसार करने के बाकी होंगे।

If you do not pay the amount within the period specified above, you will be liable to pay simple interest at twelve per
cent per-annum from the date commencing after the end of the period aforesaid in accordance with Section 220(2).

4. यदि आय-कर की रकम का संवत् ऊपर विनिर्दिष्ट संचयि के अन्दर नहीं करते तो धारा 221 के अनुसार आपको अनुमानित व्यक्तिगत संचयि
दिए जाने के पश्चात् आप पर (उतनी मात्रा जो बकाया कर की रकम के बराबर हो सकेगी) संचयित की जा सकेगी।

If you do not pay the amount of the tax within the period specified above, penalty (which may be as much as the amount
of tax in arrear) may be imposed upon you after giving you a reasonable opportunity of being heard in accordance with Section 221.

5. यदि आप कर की रकम का संवत् ऊपर विनिर्दिष्ट संचयि के अन्दर नहीं करते तो उनकी मजदूरी के लिए आय-कर अधिनियम, 1961
की धारा 222 से 229, 231 और 232 के अनुसार कार्यवाहियाँ की जाएंगी।

If you do not pay the amount within the period specified above, proceedings for the recovery thereof will be taken in
accordance with Sections 222 to 229, 231 and 232 of the Income-Tax Act, 1961.

6. यह निर्धारण आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 143(1) के अधीन पूरा हो गया है। यदि आप इस निर्धारण के बारे में आपत्ति करते हैं
तो आप निर्धारण के बारे में आपत्ति करने के लिए प्रथम म. 6-ग में इस मांग की सूचना की तारीख से एक मास के अन्दर मुझको
आवेदन कर सकते हैं।

The assessment has been completed under Section 143(1) of the Income Tax Act, 1961. In case you object to the assess-
ment, you may apply to me in Form No. 6-A objecting to the assessment, within one month from the date of service of this notice
of demand.

7. यदि आप धारा 139(2) के अधीन आय की विवरणी देने में असफल रहे हैं और आपने धारा 139(4) या धारा 139(5) के अधीन
विवरणी या पुनरीक्षित विवरणी नहीं दी या धारा 142(1) के अधीन जारी की गई सूचना का अनुपालन करने में असफल रहे हैं/या धारा 143(2)
के अधीन जारी की गई सूचना का अनुपालन करने में असफल रहे हैं, इसलिए या निर्धारण आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 144 के अधीन किया
गया है। किन्तु यदि आप धारा 139(2) के अधीन विवरणी देने से पर्याप्त हेतुक के कारण के निर्धारित हो गए थे या आपको धारा 142(1) या
धारा 143(2) के अधीन जारी की गई सूचना प्राप्त नहीं हुई थी या आपको धारा 142(1) या धारा 143(2) के अधीन जारी की गई सूचना
के निर्धारणों का अनुपालन करने के लिए व्यक्तिगत संचयि प्राप्त नहीं हुआ था या आप उनका अनुपालन करने से पर्याप्त हेतुक के कारण निर्धारित हो
गए थे तो धारा 146 के अधीन इस निर्धारण को रद्द करने के लिए और नए तिरे से निर्धारण करने के लिए कार्यवाही करने के लिए इस सूचना
की तारीख की एक मास के अन्दर मुझको आवेदन कर सकते हैं।

[७०५०३/P.T.O.]

The assessment has been made under Section 144 of the Income Tax Act, 1961, because you failed to make the return of income under Section 139(2) and did not make a return or a revised return under Section 139(4) or Section 139(5)/comply with a notice issued under Section 142(1)/comply with a notice issued under Section 143(2). However, if you were prevented by sufficient cause from making the return under Section 139(2) or did not receive the notice issued under Section 142(1) or Section 143(2) or did not have a reasonable opportunity to comply, or were prevented by sufficient cause from complying with the terms of a notice issued under Section 142(1) or Section 143(2), you may apply to me, within one month from the date of service of this notice under Section 146, to cancel the assessment and proceed to make a fresh assessment.

8. यदि आप इस निर्धारण/बुझाई/बाधित धारा 216 के अधीन संशय व्याज के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप आय-कर अधिनियम, 1961 के अनुच्छेद 20 के अधीन अपील, प्रथम सं. 35 में, जो उस प्रथम में यथा अधिकृत मन्वक रूप से स्थापित और सत्यापित हो, आय-कर आयुक्त (अपील)/सहायक आय-कर आयुक्त (अपील) की इस सूचना की प्राप्ति से तीसरे दिन के अन्दर, पैसा भर सकते हैं।

If you intend to appeal against the assessment/fine/penalty/interest payable under Section 216 you may present an appeal under Part A of Chapter XX of the Income Tax Act, 1961, to the Commissioner of Income-tax (Appeals)/Assistant Commissioner of Income-tax (Appeals) within thirty days of the receipt of this notice, in Form No. 35, duly stamped and verified as laid down in that form.

9. यह रकम आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा के अधीन आय-कर आयुक्त (अपील)/सहायक आय-कर आयुक्त (अपील)/सहायक आय-कर आयुक्त (निरीक्षण)/आय-कर आयुक्त के आदेश के परिणामस्वरूप देय हुई है। यदि आप पूर्वोक्त आदेश के विरुद्ध अपील करना चाहते हैं तो आप उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20 के अधीन अपील, प्रथम सं. 36 में जो उस प्रथम में यथा अधिकृत मन्वक रूप से स्थापित और सत्यापित हो, आय-कर आयुक्त (अपील) की इस सूचना की प्राप्ति से छठे दिन के अन्दर, पैसा भर सकते हैं।

The amount has become due as a result of the order of Commissioner of Income-tax (Appeals)/Assistant Commissioner of Income-tax (Appeals), Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax/Commissioner of Income-tax under Section of the Income Tax Act, 1961. If you intend to appeal against the aforesaid order you may present an appeal under Part B of Chapter XX of the said Act to the Income Tax Appellate Tribunal within sixty days of the receipt of that order, in Form No. 36 duly stamped and verified as laid down in that form.

तारीख/Dated 22-1-93

स्थान/Place Hyd.

टिप्पणियाँ/Notes :-

(1) अनुपयुक्त पंरे और शब्दों को काट दें।

Delete inappropriate paragraphs and words.

(2) यदि आप रकम के संदाय बैंक द्वारा करना चाहते हैं तो बैंक, नबाना अधिकारी/उप-नबाना अधिकारी/अधिकारी, भारतीय स्टेट बैंक/भारतीय रिजर्व बैंक के नाम लिखा जाना चाहिए।

If you wish to pay the amount by cheque, the cheque should be drawn in favour of the Treasury Officer/Sub-Treasury Officer/Agent, State Bank of India/Reserve Bank of India.

(3) यदि आप रकम के संदाय के लिए समय का विस्तार करना चाहते हैं या किस्तों में संदाय करने का प्रस्तावना करते हैं तो, यथास्थिति, ऐसे विस्तारण या किस्तों में संदाय करने की अनुज्ञा प्राप्त करने के लिए प्रावधान पैरा 2 में विनिर्दिष्ट अवधि के अन्ततः से पूर्व अधिकारी को करना चाहिए। उक्त अवधि के अन्ततः प्राप्त हुए किसी निवेदन की, धारा 220(3) के विनिर्दिष्ट उपबन्धों को ध्यान में रखते हुए, ग्रहण नहीं किया जाएगा।

If you intend to seek extension of time for payment of the amount or propose to make the payment by instalments, the application for such extension or as the case may be, permission to pay by instalments, should be made to the Income-tax Officer before the expiry of the period specified in paragraph 2. Any request received after the expiry of the said period will not be entertained in view of the specific provisions of Section 220(3).

ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX
HYDERABAD.

Office of the Income - tax Officer, Ward I (G), Hyderabad.

Income tax Department

INTIMATION UNDER SECTION 143 (1) (a) OF THE I. T. ACT. 1961

P.A.N. M-616/AET(2)
 NAME M & M Associates
 ADDRESS 1-10-72/2/3, Begunur
 A. O. Code 010154 Ack. No. 010050
 Asst. Year 1990-91 D & CR No. 113/135/1112
 Status AOP
 Due Date of Return 31.8.90
 Return filed on 31.8.90

Dear Sir/Madam,

Please refer to your Return of Income for the above Assessment Year. The total income-tax and interest payable thereon/refund due to you and the interest thereon have been determined in accordance with section 143 (1) of the I. T. Act. 1961, as under :

INCOME		Rs.	TAXES		Rs.
Returned total income/loss		NIL	Tax on total income		
			Surchage		
			Total		
Adjustment U/s 143(1)(a)			Less : Rebate U/s 88		
TOTAL INCOME/LOSS after adjustment U/s 143 (1)(a)		NIL	Addl. tax U/s 143 (1)(a)		
Net Agl. Income			TOTAL TAX		
Other Income included for Rate purposes			INTEREST :		
Components of Total Income chargeable at full rate of tax			U/s 234A		
			U/s 234B		
			U/s 234C		
			Total tax and interest payable		
			LESS : Prepaid Taxes	11822	
			Amount payable/Refundable	11822	
			Interest payable to Assessee	3776	
			TOTAL	15598	
			Net Payable/Refundable	15598	

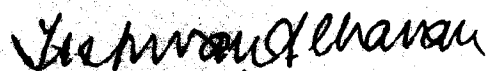
Section	Amount	Rate
	Rs.	
Prepaid Taxes		
TDS & Tax Collected at Source	11822	
Advance-Tax		
Self Asst. Tax & int...		
Total Prepaid Tax	11822	

Date 21.2.92

Place : HYDERABAD

NOTE :

- In case you are not satisfied with the additions/disallowances made, you may move an application before your Assessing Officer U/s. 154.
- This intimation is deemed to be a notice of demand U/s 156 in terms of Sec. 143 (1) of the I. T. Act. 1961. The amount is required to be paid within 30 days of the service of this intimation
- If you do not pay the amount within the period specified above :
 - You shall be liable to pay simple interest U/s 220 (2) of the I. T. Act. @18% for every month or part of month of default.
 - A penalty may be imposed U/s 221 of the I. T. Act. which may be as much as the amount of tax in arrears.
 - Proceedings in accordance with Sec. 222 to 229, 231 and 232 of the I. T. Act. shall be taken for recovery of the amount due.



Signature, Name & Designation of the Assessing Officer